अंक – ग्यारह Volume-11

E-Gyan

Monthly Digital News Letter of Maharishi Organizations - India

महर्षि संस्थान भारत का मासिक सूचना पत्र

महर्षि संवत्सर – ५५ विक्रम संवत्सर – २०६७ वैशाख कृष्ण पक्ष ७, बुधवार, ५ मई २०१०

• E-mail - egyan@mahaemail.com and egyanmonthly@gmail.com • Web site - www.e-gyan.net

5 May 2010, Wednesday

महर्षि विश्व शांति आन्दोलन के उत्तराखण्ड अध्याय का उद्घाटन

श्री गुरूदेव ब्रह्मानंद सरस्वती जी के आशीर्वाद से और उनकी प्रेरणा स्वरूप पूज्य महर्षि महेश योगी जी ने 50 वर्ष पूर्व विश्व व्यापी आध्यात्मिक पुनरूत्थान आंदोलन की स्थापना की और सम्पूर्ण विश्व के कोने–कोने में स्वयं निरंतर भ्रमण करके आध्यात्मिक और आधिदैविक क्रांति का शंखनाद किया, इस ज्ञानफल को विश्व के प्रत्येक नागरिक और राष्ट्र को उपलब्ध कराने और वर्तमान समय से लेकर पूरे भविष्य तक के लिये अक्षय विश्व शांति की स्थापना करने के उद्देश्य से महर्षि विश्व शांति आंदोलन की स्थापना और उद्घाटन समारोह श्री गुरूपूर्णिमा महोत्सव–18 जुलाई 2008 को महर्षि जी के प्रिय नगर संस्कारधानी जाबालिपुरम् (जबलपुर), मध्यप्रदेश में किया गया।

महर्षि विश्वशान्ति आन्दोलन के उत्तराखण्ड अध्याय के उद्घाटन समारोह में उपस्थित माननीय मुख्य अतिथि श्री हरबंस कपूर, अध्यक्ष, उत्तराखण्ड विधान सभा एवं ब्रह्मचारी गिरीश जी अध्यक्ष महर्षि विश्वशांति आन्दोलन एवं अन्य विशिष्ट अतिथि।

इसी क्रम में हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) बैंगलौर (कर्नाटक), गोवाहाटी (असम), बिलासपुर (छत्तीसगढ़), प्रयाग (उत्तर प्रदेश), भोपाल (मध्यप्रदेश) के उपरान्त दिनाँक 5 अप्रैल 2010 को महर्षि विद्या मंदिर देहरादून में एक भव्य समारोह में महर्षि विश्व शान्ति आंदोलन के अध्यक्ष माननीय ब्रह्मचारी गिरीश जी ने महर्षि विश्व शान्ति आंदोलन के उत्तराखंड अध्याय का शुभारम्भ किया। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड विधान सभा के अध्यक्ष माननीय श्री हरबंस कपूर उपस्थित थे।

इस मौके पर विश्व शांति आंदोलन के उत्तराखंड प्रान्त की महिला सचिव, श्रीमती वीरेन्द्र रावत, पुरूष सचिव श्री चंचल पांडेय एवं महर्षि विद्या मंदिर, देहरादून के प्रधानाचार्य, श्री बसंत वल्लभ भट्ट सहित कई अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इस अवसर पर, ब्रह्मचारी गिरीश जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान वैश्विक वातावरण में विश्व शांति आन्दोलन बहुत ही प्रासंगिक है, महर्षि जी के कार्यक्रमों के द्वारा, हम विश्व में शांति ला सकते हैं। सभी की चेतना को सतोगुणी बनाया जा सकता है। पूज्य महर्षि जी ने हमें बताया है कि विश्व परिवार का प्रत्येक व्यक्ति विश्व शांति आंदोलन की एक इकाई है। जब तक सभी मनुष्यों को शांति प्राप्त नहीं होगी तब तक विश्व शांति स्थापित नहीं हो सकती। विधान सभा अध्यक्ष माननीय हरबंस कपूर जी ने कहा कि महर्षि जी द्वारा चलाया जा रहा विश्व शांति आंदोलन विश्व की परिस्थितियों को बदलने में समर्थ हो सकता है।

महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष, माननीय ब्रह्मचारी गिरीश जी को श्रीफल भेंट कर सम्मान करते हुऐ महर्षि विद्या मंदिर, देहरादून के प्रधानाचार्य श्री बंसत बल्लभ भट्ट।

महर्षि विश्वशान्ति आन्दोलन के उत्तराखण्ड अध्याय के उद्घाटन समारोह के अवसर पर सभा को सम्बोधित करते हुऐ, माननीय विधान सभा अध्यक्ष श्री हरबंस कपूर।

महर्षि विश्वशान्ति आन्दोलन के उत्तराखण्ड अध्याय के उद्घाटन समारोह के अवसर पर सभी अतिथियों का स्वागत करते हुऐ, महर्षि विद्या मन्दिर के प्राचार्य श्री बसंत बल्लभ भट्ट।

महर्षि विश्वशान्ति आन्दोलन के उत्तराखण्ड अध्याय के उद्घाटन समारोह के अवसर पर उपस्थित देहरादून जनपद के नागरिकगण एवं विशिष्ट अतिथिगण।

सतत समग्र मूल्यांकन (C.C.E.) प्रणाली विषय पर कार्यशाला आयोजित, महर्षि विद्या मंदिर, रतनपुर भोपाल

दिनांक 10 अप्रेल 2010 को महर्षि विद्या मंदिर, रतनपुर भोपाल में सतत समग्र मूल्यांकन (C.C.E.) विषय पर विद्यालय के 9वीं कक्षा के छात्रों के अभिभावकों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। विद्यालय की शैक्षणिक प्रभारी श्रीमती सीमा सरकार ने सी.बी.एस.ई. द्वारा निर्देशित, मूल्यांकन की नवीन पद्धति से संबंधित समग्र एवं विस्तृत जानकारियों से सभी को अवगत कराया।

सी.बी.एस.ई. द्वारा निर्देशित पाठ्यक्रम को लागू करने हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर विद्यार्थियों के अभिभावकों से परिसंवाद किए गए। उन्होंने बताया कि यह पाठ्यक्रम बच्चों के पूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए तैयार किया गया है। इसके पूर्व परीक्षा आधारित मूल्यांकन की प्रणाली थी, किन्तु वर्तमान में लागू की जा रही शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य बच्चों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास से संबंधित है। बच्चों के भीतर व्याप्त तनाव एवं बोर्ड की परीक्षा के भय से छुटकारा देने के लिए इस पद्धति को लागू किया जा रहा है।

Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya has Organised Three Professional Development Programmes on Maharishi's Consciousness Based Education for Directors and Senior Faculty of Associate Institutions of Maharishi Vedic University from 10 April to 13 April 2010, 15 April to 18 April 2010, and 20 April to 23 April 2010 at Bhopal Campus, Madhya Pradesh

Under the perpetual Divine guidance & blessing of **His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji** and under the able leadership and guidance of Brahmachari (Dr.) Girish Chandra Varma Ji, The Chancellor of Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, three Professional Development Programmes of **four - day each** on Maharishi's Consciousness Based Education were organised for Directors and Faculty of Associate Institutions of Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya. All the courses were successesfully conducted by Prof. Bhuvnesh Sharma, Vice Chancellor, Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya.

Participants of Professional Development Programme in Maharishi's Consciousness Based Education

The Programme was inaugurated on 10th April 2010, with Guru Parampara Pujan, Vedic chanting and Maharishi Ji's video Key Note Address to Annual Conference of the American Association of Higher Education, in 1973. Hon'ble Br. Girish Ji, Chancellor, Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, Madhya Pradesh and Maharishi University of Management & Technology Chhattisgarh in his inaugural address said that "Maharishi Mahesh Yogi Ji, the founder of Consciousness Based Education, Transcendental Meditation and TM-Sidhi Programme has given simple, natural, highly effective technique to systematically unfold the latent potential of every individual. With the technique Maharishi Ji also gave the Science of Creative Intelligence (SCI), the complete principles of life into the educational system to make learning meaningful, relevant, intimate, and exhilarating.

In this scientific age, Maharishi has restored to its full value the theory and practical application of age-old Vedic knowledge to develop full potential of human life and society, the science of consciousness.

He also added that Maharishi's worldwide organization is established in over 100 countries. The central goal of this international organization is to create permanent groups of yogic flyers in every country. For India Super radiance group of 3500 yogic flyers is required. Brahmachari Ji said that every Associate Institution should enroll that many students and should create a group of 3500 students in their cities. He said that India does not only needs to take care of itself but India is also responsible to create peace and provide invincibility to every individual and nation on this earth. In Maharishi Ji's words, "these groups of yogic flyer will create and maintain a strong, indomitable influence of coherence in world consciousness, so that peace and harmony prevails, and the whole human race lives in peace, in a problem-free, disease-free world with perpetual peace on earth-Heavenly life on earth".

Participants of Professional Development Programme in Maharishi's Consciousness Based Education

The conference was addressed by World renowned scientists, educationists and physicists including- Dr. John Hagelin, world renowned Physicist and pioneer in the study of Physics and Consciousness

and recipient of the prestigious Kilby Award, Dr. Michael Dillbeck, a renowned researcher International Vice-President, Maharishi University of Management, Fairfield IOWA, USA, and International Director of Curriculum at Maharishi Universities and Schools, Dr. Susie Dillbeck, President, International Foundation of Consciousness Based Education, USA , Dr. Fred Travis, Director, Center for Brain, Consciousness and Cognition, Maharishi University of Management, Fairfield, IOWA, USA.

Participants of Professional Development Programme in Maharishi's Consciousness Based Education

Besides International Speakers, **Prof. Bhuvnesh Sharma**, Vice Chancellor, Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, Madhya Pradesh, **Dr. Prakash Joshi**, Vice President, Maharishi Shiksha Sansthan, India, **Dr. T. C. Pathak**, Director CPR, Maharishi Vidya Mandir Schools Group have also addressed the August Assembly.

The aim of Professional Development Programme was to train the Institutional Heads and Educators in Maharishi's Consciousness Based Education who will further disseminate Maharishi's Knowledge to Teachers and about 20,000 students of Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya.

In the Professional Development Programme on Maharishi's Consciousness Based Education (10 April to 13 April 2010) 55 Directors and Faculty have participated and in the second & Third Training Programme of Maharishi's Consciousness Based Education 33 & 54 Directors and Faculty of Associate Institutions have participated respectively.

Jai Guru Dev, Jai Maharishi

Maharishi Vidya Mandir Schools Group, India has Organised Professional Development Programme on Maharishi's Consciousness Based Education for Regional Directors & Principals of Maharishi Vidya Mandir Schools from 19 April 2010 to 25 April 2010 at National Camp Office, Maharishi Center for Educational Excellence , Bhopal, Madhya Pradesh

Under the perpetual Divine guidance & blessing of **His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji** and under the able leadership and guidance of Brahmachari (Dr.) Girish Chandra Varma Ji, Chairman, National Board of Directors, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, Training Programme was organised from 19 April 2010 to 25 April 2010.

The Programme was inaugurated on 19th August 2010, with Guru Pujan, Vedic chanting and Maharishi Ji's video Key Note Address to Annual Conference of the American Association of Higher Education, in the year 1973.

Hon'ble Br. Girish Ji, Chancellor, Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, Madhya Pradesh and Maharishi University of Management & Technology Chhattisgarh in his inaugural address said that "Maharishi Mahesh Yogi Ji, with the blessings of Shri Guru Dev, Swami Brahmanand Saraswati Ji brought to light the knowledge of Ved, Vedic Literature, Transcendental Meditation, it's advance techniques and Sidhi Programme. With theoretical principles and practical techniques, Maharishi Ji has changed the world. Maharishi Ji has announced the dawn of Satayuga in the mist of Kaliyuga on the basis of coherence created by millions of Meditators and Sidhas. Now in this generation, its our duty, it's the duty of each and every officer, every teacher of Maharishi Vidya Mandir group to impart this knowledge to large number of students and their family members. Offer them total knowledge, lot of bliss, prosperity, permanent peace and invincibility. Brahmachari Ji further said that all three aspects of life need to be attended, Adhyatmik, Adhidaivik and Adhibhautik. Unfortunately this knowledge is mission from present education, but with Maharishi Ji's blessings we are able to provide this to all our students.

Besides many International Speakers, Prof. Bhuvnesh Sharma, Vice Chancellor, Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, Madhya Pradesh, **Dr. Prakash Joshi**, Vice President, Maharishi Shiksha Sansthan, **Dr. T. C. Pathak**, Director CPR, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, **Brig. (Retd.) G. S. Sandhu**, Director (P&A), Maharishi Vidya Mandir Schools Group and other Directors have also addressed the August Assembly.

The aim of Professional Development Programme was to train the Regional Directors and Principals in Maharishi's Consciousness Based Education who will further disseminate Maharishi's Knowledge to Teachers and students of Maharishi Vidya Mandir Schools all over India.

Maharishi Vidya Mandir Schools Group

ACHIEVEMENTS OF MAHARISHI VIDYA MANDIR SCHOOLS

Academic Achievements - Academic Year 2008-2009

Students obtained more than 95% marks in different subject of CBSE X class exams:

MVM ALIGARH (MAIN)

- Abhishek Singh - Social Science 95%
- Abhishek Singh - Mathematics 95%
- Jyoti Singh - Hindi Course-B 96%
- Mohit Gupta - Mathematics 95%
- Vaibhav Saxena - Mathematics 95%
- Charu Gupta - Mathematics 95%
- Shubhangi Sharmar - Mathematics 95%
- Shivangi Upadhyay - Mathematics 95%

Abhishek Singh

Jyoti Singh

Mohit Gupta

Vaibhav Saxena

Charu Gupta

Shubhangi Sharmar

Shivangi Upadhyay

Students obtained more than 95% marks in different subject of CBSE XII class exams:

MVM ALIGARH (MAIN)

- Neeloo Sengar - Chemistry 95%
- Priyanka Varshney - Business Studies 95%
- Priyanka Varshney - Physical Education 95%
- Charu Paliwal - Physical Education 95%

Neeloo Sengar

Priyanka Varshney

Charu Paliwal

ACHIEVEMENTS OF MVM STUDENTS IN SPORTS

MVM KALPANA NAGAR, BHOPAL

Ku. Akanksha Tripathi student of class XII (Commerce), took part in **55th National School Games**, which was held on 3rd February to 7th February 2010 in Thiruvanantpuram (Kerala) in Judo under 19 years & got Second position.

She also took part in **54thNational School Games 2008** in Punjab, Junior National Judo Championship 2009-10, organised by Orissa State Judo Association.

Akanksha Tripathi

MVM RATANPUR

Gems of MAHARISHI VIDYA MANDIR, RATANPUR, BHOPAL have brought acclaim to school by securing respective state ranks in International Olympiad Mathematics-2009, Organised by Mathematics Olympiad Foundation.

NAME	CLASS	STATE RANK	OLYMPIAD RANK
JAYANT KUMAR	X	08	102
NISHKARSH SHASTRI	X	10	125
SHUBHAM TAROLE	XI	28	339

Achievement at State Level

SHUBHAM YADAV qualified in National Talent Search Exam (STATE LEVEL) – 2009

Jayant

Nishkarsh

Shubham

Shubham

महर्षि विद्या मंदिर रतनपुर, भोपाल के खेल शिक्षक श्री विष्णु कान्त सहाय, कामनवेल्थ गेम्स में तकनीकी अधिकारी के रूप में चयनित

महर्षि विद्या मंदिर रतनपुर के खेल शिक्षक श्री विष्णु कान्त सहाय का चयन, इस वर्ष दिल्ली में आयोजित होने वाले कामनवेल्थ खेल में तकनीकी अधिकारी के रूप में हुआ है। श्री सहाय विगत 20 वर्षो से एथलेटिक्स में सक्रीय रूप से जुड़े हैं व प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय एथलेटिक्स व अन्य खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन में अपना योगदान देते आ रहे हैं।

Vishnu Kant Sahay

पूर्व में श्री सहाय केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल (सी.बी.एस.ई.) द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पर्यवेक्षक के रूप में अपनी सेवाएँ दे चुके हैं।

MVM REWA

YOG TRAINING CAMP IN MAHARISHI VIDYA MANDIR SCHOOL REWA, MAIHAR, KATNI, AND PANNA (M.P.)

A Yog Training camp was organised in Maharishi Vidya Mandir, Rewa. Hundreds of Parents, Citizens and Students took part and learnt Yogasanas and Pranayam with great enthusiasm. The camp was conducted by Yogacharya Chittaranjan Soni and Smt. Meena Soni. Our teachers and non teaching staff also learnt Yog with interest and encouraged the participants. It is a unanimous opinion of all the participants that such type of programmes should be organised many times every year to keep everyone refresh and to discuss the problem with Yogacharya.

Veda Series

श्री हनुमान चालीसा

SHRI HANUMAN CHALISA

Shri Hanumân is regarded as the perfect embodiment of gyân (knowledge) buddhi (intellect), shakti (strength) abhay (fearlessness) Sâhas (courage), bhakti (devotion) and the siddhis (superhuman powers). As the incarnation of lord Shiva (infinite silence) and the eleventh Rudra (infinite dynamism), Shri Hanumân represents the total dynamism lively within the infinite silence of transcendental consciousness. He is the most ideal and blessed devotee of Lord Râm. Numerous verses of the Râmâyana sing the glory of Shri Hanumân. Shri Hanumân Châlisâ, Hanumânâstak, Hanumân Stavan and Hanumân Ârti are cherished in every home of India and venerated as the remover of problems, be they physical, mental or spiritual. Chanting or listening to Shri Hanumân Châlisâ and other stotras of Hanumân Ji bestows profound wisdom, inspiration, strength, glory and success in every area of life.

Vedic Arts & Crafts Promotions
A-116, Defence Colony, New Delhi-110 024
• **Phone:** 011-24332207 • **Fax:** 011-24332206
• Website: www.vedic-arts.com • E-mail: vedicarts@mahaemail.com

Veda Series
Village-Chhan, Bhojpur Temple Road, Post-Misrod,
Distt.-Bhopal (M.P.) 462 047 INDIA
• **Phone:** 0755-4087351 • **Fax:** 0755-4087311
Website: www.vedaseries.com • E-mail: edaseries@mahaemail.com

महर्षि ज्योतिष की दृष्टि में – मई माह

मई माह 2010 ई. – विक्रमी संवत् 2067 के अधिक वैशाख कृष्ण पक्ष की तृतीया शनिवार से प्रारम्भ होकर ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्थी सोमवार (तदानुसार तारीख 1 मई से 31 मई 2010 ई.) तक रहेगा। इसमें 1 मई से 14 मई तक अधिक वैशाख कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि से अमावस्या तिथि का समय रहेगा। 14 मई को अधिकमास समाप्त हो जायगा। 15 मई से 27 मई 2010 ई. तक वैशाख के शुद्ध मास का शुक्ल पक्ष होगा।

अधिमास – सन् 2010 ई. में, 15 अप्रैल 2010 से 14 मई 2010 तक का समय वैशाख अधिकमास का है। जिस माह में सूर्य संक्रान्ति न हो वह माह अधिमास का होता है। **अधिमास 32 महीने 16 दिन और 4 घड़ी** के अन्तर से आया करता है, इस संबंध में वशिष्ठ सिद्धान्त का वचन इस प्रकार है–

द्वात्रिंशद्भिर्गतैर्मासैर्दिनः षोडशभिस्तथा।
घटिकानां चतुष्केण पतति ह्यधिमासकः।।

अधिमास को 'अधिक मास', 'मलमास, मलिम्लुच मास', 'लौंद मास' और 'पुरूषोत्तम मास' नाम से लोक व्यवहार में जाना जाता है। पुरूषोत्तम नाम है भगवान् विष्णु का।

अधिमास में फल प्राप्ति की कामना से किये जाने वाले प्रायः सभी काम वर्जित हैं जैसे – कूप निर्माण, बावली, तालाब, बाग आदि का प्रारम्भ व प्रतिष्ठा, गृहारम्भ व गृह प्रवेश, देव प्रतिष्ठा, यज्ञोपवीत, विवाह, मुण्डन, वधू प्रवेश आदि संस्कार, पृथ्वी – आदि महादान, तुलादान, संन्यास, किसी व्यापार का श्री गणेश अधिक मास में नहीं करना चाहिए।

वेद ज्ञान वृषोत्सर्ग चूडाकरण मेखलाः।
मांगल्याभिषेकं च मलमासे विवर्जयेत्।। – गर्ग संहिता

अधिमास में करने योग्य कार्य – प्राण घातक रोगादि की निवृत्ति के लिये रुद्र जपादि अनुष्ठान, महा मृत्युन्जय मंत्र जप, चण्डीपाठ आदि अनुष्ठान, ग्रहण संबंधी जप–दान, श्राद्ध, तीर्थश्राद्ध, पुंसवन और सीमन्तोन्नयन जैसे संस्कार और नियत अवधि में समाप्त करने के पूर्वागत प्रयोगादि किये जा सकते हैं–

तीर्थ श्राद्धं दर्शश्राद्धं प्रेतश्राद्धं सपिण्डनम्।
चन्द्रसूर्यग्रहे स्नानं मलमासे विधीयते।। – मनुस्मृति

विशेष रूप से पुरूषोत्तम मास में विष्णु भगवान् का पूजन, जप एवं शिवजी के लिए रुद्राभिषेक, गो सेवा, विधवा–अनाथ सेवा, श्रीमद् भागवत् कथा का आयोजन, तीर्थ एवं गंगा स्नान तथा धर्माचरण के अन्य कृत्य व्यक्ति की सद्गति के लिए आवयश्क हैं।

मई 2010 में 13 दिन का पक्ष – तारीख 15 मई 2010 से 27 मई तक शुद्ध वैशाख मास का शुक्ल पक्ष

केवल 13 दिनों का होने के कारण मुहूर्तों की दृष्टि से यह अशुभ माना जाता है। इसी पक्ष में पड़ने वाली अक्षय तृतीया का शुभत्व भी प्रभावित है और 13 दिन का पक्ष विवाहादि शुभ कार्यों के लिए वर्जित किया गया है। यह समय भारत के लिए ही नहीं पूरे विश्व के लिए कठोर अशुभ तथा युद्ध–आतंक एवं प्राकृतिक प्रकोपों से जन–धन की हानि, महंगाई में वृद्धि, महामारी आदि लाने वाला सिद्ध होगा।

13 दिन के पक्ष में जन–संहार के अनेक उदाहरण हैं जैसे महाभारत युद्ध, राम रावण युद्ध आदि–

"युग सहस्र बीतेथकौ, विधि के होवे योग।
तेरह दिन का पाख, नाश करै बहु लोग।।
कौरव–पाण्डव मरे, राम–रावण युद्ध भयो।
जगह–जगह संहार, काल ने बहु जन लील्यो।।"

अस्तु 15 मई से 27 मई तक समय शुभ कार्यों के लिए अशुभ है। 28 मई से 31 मई 2010 ई. ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष के अर्न्तगत है, इस काल में शुभ कार्य विवाहादि कृत्य अधिकता से सम्पन्न होगें।

मई माह में पड़ने वाले व्रत पर्व एवं त्यौहार

अधिमास व्रत – 1 मई से 14 मई के बीच किसी भी दिन भगवान् शिव या विष्णु के पूजन पूर्वक यह व्रत किया जा सकता है। यह व्रत पाप हरण और पुण्य कारक तथा श्रेय प्रद माना जाता है।

मई माह में पड़ने वाले व्रत पर्व एवं त्यौहार

क्रमांक	व्रत पर्व एवं त्यौहार	मास	पक्ष	तिथि	दिनांक
1.	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत	अधिकवैशाख	कृष्ण	चतुर्थी	01.05.2010
2.	पुरुषोत्तमी एकादशी व्रत	अधिकवैशाख	कृष्ण	एकादशी	09.05.2010
3.	भौम प्रदोष व्रत	अधिकवैशाख	कृष्ण	त्रयोदशी	11.05.2010
4.	पुरुषोत्तमी अमावस्या	अधिकवैशाख	कृष्ण	अमावस्या	14.05.2010
5.	वृष संक्रान्ति	शुद्धवैशाख	शुक्ल	प्रतिपदा	15.05.2010
6.	अक्षय तृतीया, परशुराम जयन्ती	शुद्धवैशाख	शुक्ल	तृतीया	16.05.2010
7.	वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी	शुद्धवैशाख	शुक्ल	चतुर्थी	17.05.2010
8.	आद्य जगद् गुरु श्री शंकराचार्य जयन्ती	शुद्धवैशाख	शुक्ल	पंचमी	18.05.2010
9.	श्री रामानुजाचार्य जयन्ती	शुद्धवैशाख	शुक्ल	षष्ठी	19.05.2010

10.	श्री गंगा सप्तमी	शुद्धवैशाख	शुक्ल	सप्तमी	20.05.2010
11.	श्री सीता नवमी (जानकी जन्म)	शुद्धवैशाख	शुक्ल	नवमी	22.05.2010
12.	श्री मोहिनी एकादशी	शुद्धवैशाख	शुक्ल	एकादशी	24.05.2010
13.	भौम प्रदोष व्रत	शुद्धवैशाख	शुक्ल	त्रयोदशी	25.05.2010
14.	श्री नृसिंह चतुर्दशी	शुद्धवैशाख	शुक्ल	चतुर्दशी	26.05.2010
15.	बुद्ध पूर्णिमा (श्री बुद्ध जयन्ती)	शुद्धवैशाख	शुक्ल	पूर्णिमा	27.05.2010
16.	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी	ज्येष्ठ	कृष्ण	चतुर्थी	31.05.2010

पंचक विचार – इस माह में 7 मई 2010 को रात 2.26 पर पंचक आरम्भ होगा तथा 12 मई 2010 को रात 12.24 पर समाप्त होगा।

मास प्रभाव – 14.05.2010 को अधिक मास (मल मास) की समाप्ति होगी, लेकिन 15 मई से 27 मई तक का समय मुहूर्त की दृष्टि से अशुभ है। इस काल में गीता–पाठ, एवं भावातीत ध्यान – सिद्धि कार्यक्रम में संलग्न होने से आगे सत्व की वृद्धि होकर समय अच्छा आ जायेगा।

"जय गुरु देव","जय महर्षि"

पं. विजय द्विवेदी,ज्योतिषाचार्य

ग्रीष्म ऋतुचर्या – इस वर्ष 15 मई 2010 से 17.07.2010 तक ग्रीष्म ऋतु रहेगी। ग्रीष्म ऋतु में मधुर रस युक्त स्निग्ध, शीतल, पचने में हल्के, द्रव रूप, पतला पदार्थ सेवन, शर्बत सत्तू, दूध, दही, शालि चावल, चांदनी में शयन, दिन में विश्राम, चंदन लेप, फल एवं शीतल जल का पान अति हितकर है।

ग्रीष्म ऋतु में वर्जनीय पदार्थ

कटु क्षार, नमकीन व खट्टा रस से युक्त द्रव्यों का सेवन करना, अधिक देर धूप में रहना, खाली पेट धूप में घूमना, अधिक परिश्रम करना वर्जित है अतः इन सबको त्याग देना चाहिए।

"जय गुरु देव","जय महर्षि"

वैद्यराज

पं. रामचेत उपाध्याय

NEWS CLIPPING

सौजन्य से दैनिक भास्कर

वैदिक ज्ञान पर आधारित शिक्षा की जरूरत

सिटी रिपोर्टर » दैनिक भास्कर

भारत में महर्षि शिक्षा संस्थान एकमात्र ऐसा संस्थान है जो विश्व की विशालतम शैक्षणिक संस्थाओं की श्रृंखलाओं के माध्यम से पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ जीवनपरक शिक्षा एवं मूल्यों को विश्व में पुर्नस्थापित कर रहा है व शिक्षा को पूर्ण जीवनपरक बनाने के लिए अपना योगदान दे रहा है। भारतवर्ष में एक लाख से अधिक विद्यार्थी विभिन्न महर्षि विद्या मंदिर, महर्षि प्रबंध संस्थान, महर्षि महाविद्यालय एवं महर्षि सेंटर फॉर एजुकेशनल एक्सीलेंस में अध्ययनरत हैं।

यह बात महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के चांसलर गिरीश चन्द्र वर्मा ने कही। वे अपने भोपाल प्रवास के दौरान दैनिक भास्कर से विशेष चर्चा में शिक्षा के बारे में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परफेक्ट एजुकेशन वही है जिसमें आध्यात्मिक, आदिदैविक और आदि भौतिक ज्ञान का समावेश हो। वर्तमान में महर्षि समूह के शिक्षण संस्थानों से 70 लाख लोग जुड़े हुए हैं। भारत के अलावा विश्वभर में 124 देशों में महर्षि शिक्षण संस्थान संचालित हैं। भारत में महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी छत्तीसगढ़ व महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश की स्थापना की गई है जहां प्रबंध एवं प्रौद्योगिकी में उच्चस्तरीय शोध के साथ-साथ जीवनपरक वैदिक ज्ञान का भी अध्ययन एवं अध्यापन किया जा रहा है।

ब्रह्मचारी श्री वर्मा महर्षि विद्या मंदिर स्कूल्स ग्रुप ऑफ इंडिया के चेयरमेन का दायित्व भी निभा रहे हैं। शिक्षा में वैदिक ज्ञान की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 53 वर्ष पूर्व महर्षि महेश योगी जी ने यह अनुभव किया कि हमारी शिक्षा प्रणाली में कुछ कमी है। यह संपूर्ण शिक्षा नहीं है। उन्होंने एक ऐसे एजुकेशन सिस्टम की स्थापना की जो छात्र-छात्राओं को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ वैदिक शिक्षा से भी परिपूर्ण करता है। इसी कांसेप्ट के साथ महर्षि शिक्षा संस्थान विश्वभर में क्वालिटी एजुकेशन प्रदान कर रहे हैं। श्री वर्मा ने बताया कि इस प्रकार वेद की शिक्षा को हमने मुख्यधारा में जोड़ा है और इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एजुकेशन सिर्फ प्रोफेशन तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि यह सोशल और धर्मपरक ज्ञान भी प्रदान करे। महर्षि समूह ने देश के इंटीरियर क्षेत्रों में जाकर समाज के पिछड़े और गरीब वर्ग के बच्चों व युवाओं को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया है। इसके लिए हमने मोबाइल वैन चलाई हैं जो सफल रहीं।

आज भारत के 16 प्रांतों में 150 से भी अधिक महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों में लाखों विद्यार्थी महर्षि महेश योगी द्वारा प्रतिपादित वैदिक चेतना विज्ञान पर आधारित आदर्श शिक्षा प्रणाली के माध्यम से ज्ञानार्जन कर रहे हैं। श्री वर्मा ने बताया कि महर्षि महेश योगी जी का उद्देश्य था कि देश के हर ब्लॉक में एक स्कूल और हर शहर में एक कॉलेज स्थापित किया जाए। हम इसी दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय युवाओं का आईक्यू लेवल बहुत अच्छा है। यही वजह है कि विश्वभर में भारतीय प्रोफेशनल भारत का नाम रौशन कर रहे हैं। यदि हम ब्रेन ड्रेन की समस्या को हल करना चाहते हैं तो शिक्षा व्यवस्था में सुधार करने के साथ ही युवाओं को रोजगार भी मुहैया कराना होगा। महर्षि ग्रुप का मिशन विश्व शांति है और इसके लिए शिक्षा एक अनिवार्य कारक है।

सौजन्य से हिन्दुस्तान

ब्रह्मचारी गिरीश चंद्र का स्वागत करते विधानसभा अध्यक्ष हरबंस कपूर • हिन्दुस्तान

विश्व शांति आन्दोलन का उत्तराखंड अध्याय शुरू

देहरादून। विश्व शांति आन्दोलन के उत्तराखंड अध्याय की आज शुरुआत हुई। पौंधा रोड स्थित महर्षि विद्या मंदिर में इसका उद्घाटन करते हुए विश्व शांति आन्दोलन के अध्यक्ष ब्रहमचारी गिरीश चंद्र ने कहा कि विश्व परिवार का प्रत्येक व्यक्ति विश्व शांति आन्दोलन की एक इकाई है। उन्होंने कहा कि जब तक सभी मनुष्यों को शांति प्राप्त नहीं होगी, तब तक विश्व में शांति स्थापित नहीं हो सकती।

मौके पर समारोह के मुख्य अतिथि व विधानसभा अध्यक्ष हरबंस कपूर ने कहा कि विश्व शांति आन्दोलन विश्व की वर्तमान परिस्थितियों में बदलाव लाने में समर्थ हो सकता है। गुरु पूजन से उत्तराखंड अध्याय की शुरुआत की गई। इस मौके पर विश्व शांति आन्दोलन के उत्तराखंड अध्याय के सचिव विरेन्द्र रावत, महर्षि विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य बसंत वल्लभ भट्ट, चंचल पांडेय सहित कई अन्य गण्यमान्य नागरिक उपस्थित थे। इसके पहले आंदोलन की शुरुआत कर्नाटक, असम, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश में की जा चुकी है।

नव स्वदेश
आज 9 सतना, शुक्रवार 9 अप्रैल 2010 11

महर्षि विद्या मंदिर में महिर्ष योग शिविर आरंभ

रीवा (नव स्वदेश)। महर्षि शिक्षा संस्थान लाम्बाखेड़ा भोपाल से आये प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा योग शिविर का आयोजन महर्षि विद्या मंदिर इलाहाबाद रोड बरा रीवा में 8से 13 अप्रैल तक किया जा रहा हैं, जिसमे नगर के समस्त नागरिको से अनुरोध है कि महर्षि योग शिविर मे उपस्थित होकर अपने सम्पूर्ण शारीरिक, मानसिक स्वास्थ का लाभ प्राप्त करे और जीवन जीने की कला को सीख कर प्रसन्न रहकर समय का सदुपयोग करें। महर्षि विद्या मंदिर प्रांगण में प्रातः 6से 7बजे तक योगासन, प्राणायाम विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षिण दिया गया। उक्ताशय की जानकारी देते हुये संस्था प्राचार्य बी.के. रावत ने बताया कि महिला, पुरूष एवं बच्चे सभी भाग लेकर अपने शरीर को स्वस्थ बनाकर सम्पूर्ण विकास कर सकेंगे। ब्लेडप्रेशर, डायबिटीज, अनिद्रा तनाव जैसे घातक रोगों में योग कार्यक्रम द्वारा लाभ प्राप्त कर सकेगें। सभी नगर वासियों से अनुरोध है कि इस तनावपूर्ण जीवन शैली को ही समस्त रागों का कारण माना गया हैं। तनाव से ही रोगों की मेहमानी हमारे शरीर में प्रारंभ होती है। जिसका परिणाम हमारे लिए घातक रोग हो जाते है और हम दुःखी अनुभव करते है।

हेयं दुखम् अनागतः।

वेद के अनुसार हमनें यदि रोग होने के बाद रोग दूर किया तो कोई बुद्धिमानी नही की हम पहलें से ही ऋषि-मुनियों का दिया हुआ योगासन, प्राणायाम सीखकर हमेशा के लिए सुखी रहने की कला सीख लें। अपने शरीर की रक्षा नही करेंगे तो शरीर हमारी रक्षा नही करेगा अपने शरीर के प्रति ईमानदारी रखें।

यमुनानगर पानीपत, शनिवार, 20 फरवरी, 2010

परीक्षा में सफलता के लिए हवन कराया

यमुनानगर के महर्षि विद्या मंदिर में आयोजित यज्ञ में आहुति डालते हुए। जागरण

जगाधरी, जागरण संवाद केंद्र : महर्षि विद्या मंदिर में बोर्ड कक्षाओं के उत्तम परिणाम के लिए शुक्रवार को हवन का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्य सुनीता बहल ने पूर्ण विधि विधान से हवन कराया व पांच पंडितों ने रुद्राभिषेक किया।

इस दौरान सभी विद्यार्थियों व शिक्षकों ने हवन में आहुति देकर विद्यार्थियों के मंगलमय भविष्य की कामना की। प्राचार्य सुनीता बहल ने वेद मंत्रों तथा हवन से होने वाले लाभों से विद्यार्थियों को परिचित कराया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि महर्षि विद्या मंदिर न केवल एक शिक्षण संस्थान है, अपितु भारतीय संस्कृति का परिचायक भी है।

www.jagran.com
जागरण सिटी
13 अप्रैल, 2010

छात्रों ने सीखे योग के गुर

- महर्षि योग शिविर का कार्यक्रम जारी

जागरण, रीवा

महर्षि योग शिविर का आयोजन 8 अप्रैल से 13 अप्रैल तक महर्षि विद्या मंदिर इलाहाबाद रोड बरा में किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉ.चित्तरंजन सोनी एवं श्रीमती मीना सोनी द्वारा, महर्षि विद्यामंदिर समूह के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश चन्द वर्मा के निर्देशन में किया जा रहा है। दोनों योग शिक्षकों को ब्रह्मलीन परमपूज्य महर्षि द्वारा प्रशिक्षित किया गया है।

इसी गुरु-शिष्य परंपरा के अंतर्गत सम्पूर्ण भारत में स्थित महर्षि विद्या मंदिरों में योग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य है कि 'हेय दुखम अनागतम' वेद की रिचा है कि दुख हमारे जीवन में आने के पहले उसका निराकरण कर लें तो दुख ना मिले। ऋषि मुनियों का ज्ञान है कि शरीर को बलिष्ठ रखा जाय तो रोगों से लड़ने की क्षमता बरकरार रहती है। इसलिये ऋषि-मुनि योग, प्राणायाम, ध्यान, आसन आदि का उपयोग अपने जीवन में नियमित रूप से करते थे। हम सब भारत वासियों को गुरु शिष्य परम्परा के ज्ञान का अनुशरण करना चाहिये। शिविर का आयोजन तीन भाग में किया जा रहा है।

प्रातः 6 से 7 तक का समय शहर के नागरिकों के लिये रखा गया है। प्रातः 7.30 से 8.30 तक विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों के लिये रखा गया है। विद्यालय के सभी बच्चे में अपनी उपस्थिति देकर लाभान्वित हो रहे हैं। प्रातः 6 बजे से विद्यालय के अधिकांश अभिभावक एवं नागरिकों की उपस्थित सराहनीय है।

यमुनानगर केसरी शनिवार SATURDAY 20 फरवरी, 2010

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए हुआ हवन

यमुनानगर, 19 फरवरी (ब्यूरो) : महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय जगाधरी में हवन करवाया गया। हवन का उद्देश्य था बोर्ड कक्षाओं के उत्तम परीक्षा परिणाम की कामना तथा कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के भविष्य की मंगल कामना। विद्यालय की प्रधानाचार्य सुनीता बहल ने पूर्ण विधि-विधान के अनुसार व श्रद्धा से हवन करवाया।

5 पंडितों ने रुद्राभिषेक की पूजा संपन्न करवाई। वेद-मंत्रों के उच्चारण व जाप से विद्यालय का वातावरण पवित्र हो गया। सभी विद्यार्थियों व शिक्षकों ने हवन में भाग लिया तथा पूर्ण श्रद्धा से विद्यार्थियों के मंगलमय भविष्य की कामना की।

प्राचार्या सुनीता बहल ने वेद मंत्रों तथा हवन से होने वाले लाभों से विद्यार्थियों को परिचित करवाया तथा सभी विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया।

हवन में आहुति डालते स्कूल स्टाफ के सदस्य व विद्यार्थी।

Maharishi Movement Global News

New guest courses at *Brahmasthan* (geographical centre) of India will help create world peace

22 April 2010 - The purpose of offering courses at the *Brahmasthan* (geographical centre) of India is four-fold: The new project will benefit the individuals who come; support the peace-creating Maharishi Vedic Pandits of India; enliven inspiration and activity in countries around the world when participants return home; and provide a place of rest and rejuvenation for leaders of the Global Country of World Peace.

First Nations leaders inspire expansion of Transcendental Meditation in Canada

11 January 2010 - First Nations leaders in Canada are inspiring their communities to make use of the Transcendental Meditation Programme and other initiatives to promote good health, better education, and increased cultural integrity and sustainability.

Germany celebrates 50-year anniversary of Maharishi Mahesh Yogi's first visit

Germany has begun celebrating the 50-year anniversary of Maharishi Mahesh Yogi's first visit to the country in 1960. Maharishi's programmes have been blossoming in Germany since that time, and now efforts are underway to consolidate those programmes through the building of a Maharishi Tower of Invincibility.

Speaking on Maharishi Global Family Chat, Dr Eckhart Stein, eminent professor of Quantum Physics and Maharishi's Vedic Science, reflected on the history of Maharishi's programmes and the Global Country of World Peace organization in Germany.

Maharishi first came to Germany in 1960, after visiting other European countries. He began a tour of Germany on 12 September of that year, starting in Bonn, the nation's former capital. From there, he visited nine German cities, including Munich, Hamburg, and Dusseldorf.

In all those cities, he laid the seeds for the growth of his programmes for all areas of society. The fruits of these seeds can be seen, for example, in the Maharishi Peace Palace in Hannover, and the first European Meditation Academy in Bremen, Germany.

Maharishi returned to Bonn on 22 October 1960, where he held the first Congress for members of his Transcendental Meditation organization, with 80 participants from throughout the country.

On 31 December 1960 in Munich, Maharishi taught the Transcendental Meditation Programme to 400 people in one day.

Maharishi returned again and again to Germany between 1960 and 1975, when he visited the Munich Olympic stadium. 'Already at that time, in the 1970s, people were practicing Transcendental Meditation at a prison in Bavaria,' commented Dr Stein.

'In reflecting on the achievements of Maharishi and the Global Country of World Peace over the last 50 years in Germany,' said Dr Stein, 'we understand more clearly what Maharishi meant, when he said that the main goal for Germany today is to consolidate the programmes which have already been established.' A good sign of this consolidation, he said, is the construction of a Maharishi Tower of Invincibility, which will soon be taking place in Germany. 'This is a good day to begin celebrating the 50-year mark of Maharishi's influence in Germany,' Dr Stein said in closing.

Rising Dutch interest in meditation and spirituality reflects rising invincibility in the nation

19 April 2010 - In the past several years, the Dutch population has become increasingly interested in meditation and spirituality. 'In Holland, one out of every three adults says he is a spiritual person,' says Dr Paul Gelderloos, National Director of the Global Country of World Peace. This trend, he says, reflects rising invincibility in the

collective consciousness of the nation, as a result of the Invincible Holland Assembly of Yogic Flyers, in progress since April 2006. The Assembly has especially created 'much more openness to Maharishi Mahesh Yogi's knowledge', Dr Gelderloos comments; the Transcendental Meditation Programme is increasingly in the mainstream of public interest and attention.

MERU among 34 locations chosen for spiritual tourism in Holland

1 April 2010 - MERU, Holland—home of the International Capital of the Global Country of World Peace—has been chosen as one of 34 locations in the province of Limburg that are being featured for 'spiritual tourism'. The programmes of these 34 organizations, including programmes of the Global Country of World Peace in MERU, will be featured in online and printed publications of the Chamber of Commerce, and promoted in the news media.

Major press coverage of new research on Transcendental Meditation for depression

16 April 2010 - In the United Kingdom, the latest research on the use of Transcendental Meditation in treating depression has been very effectively presented in the major newspapers of the country. This follows an earlier wave of media interest prompted by another recent major study, showing almost 50% reduction in serious incidents of heart disease in those practicing Transcendental Meditation.

Consciousness-Based Education presented to key education organization

24 April 2010 - Leaders in Consciousness-Based Education in the United States—Dr George Rutherford, an expert with long experience in implementing Consciousness-Based Education programmes in Washington, DC schools, and Dr Robert Roth, Vice-President of the David Lynch Foundation—recently made a major presentation to a large nonprofit organization focused on education

E-Gyan Monthly News Letter

Reminder

Dear Readers,

I am happy to release this Eleventh edition of E-Gyan Monthly Digital News Letter. Previous editions of E-Gyan have been published and circulated amongst you. In every edition of E-Gyan I am requesting you to send news from your relevant field. But we are not receiving enough news. Please start sending the news in either Hindi or English. **E-Gyan Monthly News Letter** will be released in the first week of every calendar month. E-Gyan matter must be received by 15th of every month.

E-Gyan Monthly Digital News Letter will be circulated to all members, employees, well wishers and students of all Maharishi Organizations in India and also to millions of Meditators, Sidhas, Governors, leaders and devotees of Maharishi Global Organisations around the Globe.

E-Gyan Monthly News Letter contains the following:

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
3. Present student strength course wise, subject wise, class wise, branch wise in different Maharishi Educational Institutions.
4. Announcement of any new course offering and its schedule with course details and venue.
5. Starting of new building construction, report on Bhumi pujan or vastu pujan or foundation stone ceremony.
6. Inauguration or graha pravesh or public offering of new building.
7. Special achievement of any Maharishi Organisation.
8. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
9. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
10. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
11. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/corporations.
12. Outstanding performance of ex-students.
13. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or Organisation.
14. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, website.
15. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
16. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
17. Launching of new product with details, availability, and price.
18. Details of products already in market.
19. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.

20. Offering Vedic solution to any social problem.
21. Performance of any special Anushthan or Yagyas.
22. Vedic celebration reports.
23. Excursion tour reports.
24. Corporate visit, corporate training etc.
25. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
26. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
27. Report on academic or commercial collaborations.
28. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
29. Report on monthly Initiations in TM, Sidhi course and Advance Techniques.
30. Report on activities of Maharishi Global Movement.
31. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, leaders, members, faculty, staff, students, meditators, Sidhas and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through email **(egyan@mahaemail.com and egyanmonthly@gmail.com)** as word document file (or in a CD to Dr. T. C. Pathak, Maharishi Centre for Educational Excellence Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462018). Hard copy should be neatly typed ("Times New Roman" font for English and "Devnagri" or "Chanakya" font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers.

Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports. Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it's readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit www.e-gyan.net web site.

With All the Best Wishes in Maharishi's Third Year of Invincibility - Global Ram Raj.

Jai Guru Dev, Jai Maharishi

Dr. T.C. Pathak

For Editorial Board, E-Gyan Newsletter

Copyright © 2010 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan
All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of ***Maharishi Ved Vigyan Prakashan.***
Maharishi Ved Vigyan Prakashan, *Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh,* ***Phone:*** *+91 755 4087351*